जनता कॉलेज, बकेवर, इटावा के संगोष्ठी सभागार में "प्रगति- 2023" दो दिवसीय नेशनल सेमिनार (29-30 Dec. -2023) के शुभारंभ उद्घाटन के प्रकाशित समाचार _छायाचित्र |

ऑर्गेनिक फार्मिंग के साथ उन्नत तकनीक से खेती उम्दा

संवाददाता बकेवर, इटावा

अमृत विचार। जनता कॉलेज बकेवर में प्रैक्टिसिज आफ रिसेंट एडवांसेज इन ग्लोबल एग्रीकल्चर टेक्नोलॉजी एंड इनोवेशन विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में निदेशक प्रो. आर के द्विवेदी ने कहा कि कृषि क्षेत्र में वर्तमान समय स्मार्ट फार्मिंग का है। जिसमें ऑर्गेनिक फार्मिंग के साथ उन्नत तकनीक का समावेश कर खेती -किसानी को आगे ले जा रहा है। कृषि में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, इंटरनेट ऑफ थिंग्स का समावेश भारतीय कृषि को क्रांतिकारी रूप से विकसित कर रहा है ।

उद्घाटन निदेशक महाविद्यालय विकास परिषद छत्रपतिशाहूजी महाराज विवि कानपुर प्रो डॉ आरके द्विवेदी,प्रबंध समिति सचिव अरविंद कुमार मिश्र, प्राचार्य डॉ. राजेश किशोर त्रिपाठी ने किया। राष्ट्रीय संगोष्ठी में प्रगति 2023 की स्मारिका का विमोचन किया

राष्ट्रीय संगोष्ठी में स्मारिका का विमोचन करते प्रो आरके द्विवेदी, राजेश किशोर।

● **जनता कालेज बकेवर में दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी**

गया। प्राचार्य प्रो. डॉ राजेश किशोर त्रिपाठी ने कहा कि मोटे अनाजों (श्री अन्न) का उपयोग वर्तमान समय की जरूरत है, उन्होंने अनाज के अधिक उत्पादन के साथ-साथ उसके संरक्षित उपयोग पर बल दिया। जनता कॉलेज बकेवर प्रबंधकारिणी समिति के सचिव अरविंद कुमार मिश्र ने शिक्षण संस्थानों की सफलता के श्रेय का मूल मंत्र शिक्षण संस्थान में कार्यरत शिक्षक व कर्मचारियों के परिश्रम और समर्पण को बताया। मुख्य वक्ता कर्म क्षेत्र महाविद्यालय इटावा से आमंत्रित अर्थशास्त्र विभागाध्यक्ष डॉ पदमा त्रिपाठी ने कहा कि जनता कॉलेज बकेवर जैसे उत्कृष्ट शिक्षण संस्थान शिक्षकों के उदार समर्पण और छात्र-छात्राओं के परिश्रम और अनुशासन से ही निर्मित होते हैं। उन्होंने वर्तमान रिपोर्ट के अनुसार भारत की जीडीपी में कृषि की 17 फीसदी भागीदारी को बताया । पूर्व में वैश्विक बाजार में सर्वाधिक भारतीय भागीदारी 32 फ़ीसदी से अधिक रही है। आर बी एस कॉलेज आगरा से पधारे शस्य विज्ञान विभाग के प्रो. डॉ. राजवीर सिंह ने कहा कि वर्तमान में ग्लोबल वार्मिंग के कारण कृषि का स्वरुप जलवायु परिवर्तन के रूप में बदल चुका है। ऐसी स्थिति में हमें प्रकृति के साथ अनुकूलन बनाते हुए नवीन तकनीकी ,रेन वाटर हार्वेस्टिंग आदि के प्रति कृषकों को सजग करना होगा। मुख्य वक्ता डॉ राजवीर सिंह, डॉ मनोज यादव, डॉ इंदु बाला मिश्रा, राजकीय महिला महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो श्याम पाल सिंह, चौधरी चरण सिंह पीजी कॉलेज हैंबरा के प्राचार्य डॉ शैलेंद्र कुमार शर्मा , डॉ भूपेंद्र त्रिपाठी ,डॉ उमाकांत मिश्र ने भी अपने विचार प्रकट किए। डॉ नलिनी शुक्ला, डॉ. एम पी सिंह, डॉ संजीव कुमार, सह सचिव डॉ संजय विश्वकर्मा, डॉ महेश प्रसाद यादव, डॉ प्रमोद कुमार राजपूत, डॉ देव नारायण सिंह, डॉ ललित गुप्ता, डॉ धर्मेंद्र कुमार, डॉ ज्योति भदोरिया, डॉ प्रकाश रहे।

वर्तमान समय ऑर्गेनिक फार्मिंग के साथ स्मार्ट फार्मिंग का है : प्रो द्विवेदी

बकेवर, इटावा। जनता कॉलेज बकेवर में प्रैक्टिसिज आफ रिसेंट एडवांसेज इन ग्लोबल एग्रीकल्चर टेक्नोलॉजी एंड इनोवेशन (प्रगति-2023) विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का शुभारंभ मुख्य अतिथि निदेशक सी डी सी प्रो. डॉ. आर. के. द्विवेदी छत्रपति शाहूजी महाराज विश्वविद्यालय कानपुर के साथ प्रबंध समिति सचिव अरविंद कुमार मिश्र, प्राचार्य डॉ. राजेश किशोर त्रिपाठी, आर बी एस कॉलेज आगरा से डॉ राजवीर सिंह, कर्म क्षेत्र महाविद्यालय इटावा से मुख्यवक्ता प्रो.डॉ.पदमा त्रिपाठी,संगोष्ठी संयोजक डॉ.अशोक कुमार पांडेय, संगोष्ठी सचिव डॉ मनोज यादव ने मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण- पुष्पांजलि तथा दीप प्रज्वलन के साथ किया गया।कॉलेज परिवार के प्राध्यापकों द्वारा अतिथियों का स्वागत अंगवस्त्र के साथ माल्यार्पण व बैज अलंकरण कर प्रतीक चिन्ह देकर

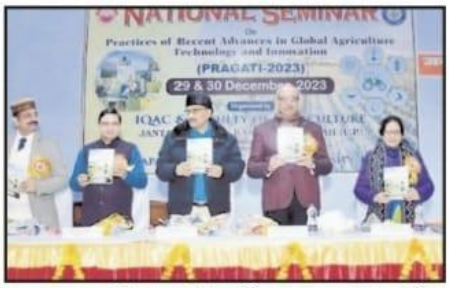

किया गया।मंचीय अतिथिगणों द्वारा राष्ट्रीय संगोष्ठी ÷प्रगति- 2023÷ की स्मारिका का विमोचन किया गया। संगोष्ठी शुभारंभ सत्र में कार्यक्रम संयोजक डॉ अशोक कुमार पांडेय ने मुख्य अतिथि डॉ आर. के. द्विवेदी निदेशक ,महाविद्यालय विकास परिषद कानपुर विश्वविद्यालय को जनता कॉलेज परिवार का आमंत्रण सहजता से स्वीकार करके उपस्थित होने पर अभिनंदन व्यक्त करते हुए मुख्य वक्ता डॉ.पदमा त्रिपाठी एवं डॉ राजवीर सिंह सहित अतिथियों का परिचय व अभिनंदन महाविद्यालय परिवार से कराया।

मुख्य अतिथि छत्रपति शाहूजी महाराज विश्वविद्यालय कानपुर से पधारे महाविद्यालय विकास परिषद के निदेशक प्रो. आर के द्विवेदी ने कहा कि जनता कॉलेज बकेवर अपने स्थापना काल से ही समर्पित रूप से छात्रों को शिक्षित कर एक श्रेष्ठ समाज का निर्माण कर रहा है ,उन्होंने कहा कि कृषि क्षेत्र में वर्तमान समय स्मार्ट फार्मिंग का है ,जिसमें ऑर्गेनिक फार्मिंग के साथ-साथ तकनीकी का समावेश खेती किसानी को उन्नत बना रहा है।कृषि में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, इंटरनेट ऑफ थिंग्स का समावेश भारतीय कृषि को क्रांतिकारी रूप से विकसित कर रहा है।

वर्तमान समय ऑर्गेनिक फार्मिंग के साथ स्मार्ट फार्मिंग का है: प्रो. आर.के. द्विवेदी

जनता कालेज बकेवर में दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमीनार शुरू

बकेवर (इटावा) 29 दिसम्बर। जनता कॉलेज बकेवर में प्रैक्टिसिज आफरिसेंट एडवांसेज इन ग्लोबल एग्रीकल्चर टेक्नोलॉजी एंड इनोवेशन (प्रगति-2023) विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का शुभारंभ उद्घाटन मुख्य अतिथि निदेशक सीडीसी प्रो. डॉ. आर. के. द्विवेदी छत्रपति शाहूजी महाराज विश्वविद्यालय कानपुर के साथ प्रबंध समिति सचिव अरविंद कुमार मिश्र, प्राचार्य डॉ. राजेश किशोर त्रिपाठी, आर बी एस कॉलेज आगरा से डॉ राजवीर सिंह, कर्म क्षेत्र महाविद्यालय इटावा से मुख्यवक्ता प्रो. डॉ. पदमा त्रिपाठी, संगोष्ठी संयोजक डॉ. अशोक कुमार पांडेय, संगोष्ठी सचिव डॉ मनोज यादव ने मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण-पुष्पांजलि तथा दीप प्रज्वलन के साथ किया गया। मंचीय अतिथिगणों द्वारा राष्ट्रीय संगोष्ठी 'प्रगति-2023' की स्मारिका का विमोचन किया गया। मुख्य अतिथि छत्रपति शाहूजी महाराज विश्वविद्यालय कानपुर से पधारे महाविद्यालय विकास परिषद के निदेशक प्रो. आर के द्विवेदी ने कहा कि जनता कॉलेज बकेवर अपने स्थापना काल से ही समर्पित रूप से छात्रों को शिक्षित कर एक श्रेष्ठ समाज का निर्माण कर रहा है, उन्होंने कहा कि कृषि क्षेत्र में वर्तमान समय स्मार्ट फार्मिंग का है, जिसमें ऑर्गेनिक फार्मिंग के साथ-साथ तकनीकी का समावेश खेती-किसानी को उन्नत बना रहा है। कृषि में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, इंटरनेट ऑफथिंग्स का समावेश भारतीय कृषि को क्रांतिकारी रूप से विकसित कर रहा है, कानपुर विश्वविद्यालय और उससे संबंधित कृषि महाविद्यालय तकनीकी की मदद के द्वारा विभिन्न शोध करके कृषि क्षेत्र में निरंतर प्रगति कर रहे हैं, उन्होंने जनता कॉलेज बकेवर को इसी का उदाहरण बताया।

प्राचार्य प्रो. डॉ राजेश किशोर त्रिपाठी ने अपने स्वागत उद्बोधन में जनता कॉलेज बकेवर तथा शोध छात्रों सहित उपस्थित वैज्ञानिकों, कृषि वैज्ञानिकों एवं किसानों हेतु उपयोगी दो-दो राष्ट्रीय संगोष्ठी का एक सप्ताह में मोटे अनाजों (श्री अन्न) का उपयोग वर्तमान समय

स्मारिका (प्रगति-2023) का विमोचन करते हुए अतिथिगण।

की जरूरत बताया, उन्होंने अनाज के अधिक उत्पादन के साथ-साथ उसके संरक्षित उपयोग पर बल दिया।

जनता कॉलेज बकेवर प्रबंधकारिणी समिति के सचिव श्री अरविंद कुमार मिश्र व मुख्य वक्ता कर्म क्षेत्र महाविद्यालय इटावा से आमंत्रित अर्थशास्त्र विभागाध्यक्ष डॉ पदमा त्रिपाठी ने कहा कि जनता कॉलेज बकेवर जैसे उत्कृष्ट शिक्षण संस्थान शिक्षकों के उदार समर्पण और छात्र-छात्राओं के परिश्रम और अनुशासन से ही निर्मित होते हैं, उन्होंने वर्तमान रिपोर्ट के अनुसार भारत की जीडीपी में कृषि की 17 प्रतिशत भागीदारी को बताया, पूर्व में वैश्विक बाजार में सर्वाधिक भारतीय भागीदारी 32 फीसदी से अधिक रही है। प्राचीन समय से समृद्धशाली कृषि सदैव उन्नतशील व्यवसाय रहा है, हमारे प्राचीन ऋषि-महापुरुषों में ऋषि कश्यप, पाराशर व घाघ आदि की कृषि संबंधी सूक्तियां और पूर्वानुमानों का संदर्भ देते हुए उन्हें वर्तमान संदर्भ में प्रासंगिक तथा शत- प्रतिशत सही बताया। आरबीएस कॉलेज आगरा से पधारे शस्य विज्ञान विभाग के प्रो. डॉ. राजवीर सिंह ने अपने शोध पत्र में वर्तमान परिदृश्य में जलवायु लचीली कृषि की आवश्यकता विषय के आधार पर अपने उद्बोधन में कहा कि वर्तमान में ग्लोबल वार्मिंग के कारण कृषि का स्वरुप जलवायु परिवर्तन के रूप में बदल चुका है, ऐसी स्थिति में हमें प्रकृति के साथ अनुकूलन बनाते हुए नवीन तकनीकी ,रेन वाटर हार्वेस्टिंग आदि के प्रति कृषकों को सजग करना होगा।उद्घाटन सत्र के समापन पर धन्यवाद ज्ञापन आयोजन सचिव डॉ मनोज यादव द्वारा दिया गया। कार्यक्रम का सफल संचालन डॉ इंदु बाला मिश्रा द्वारा किया गया। अतिथियों में पंचायतीराज राजकीय महिला महाविद्यालय इटावा के प्राचार्य प्रो श्याम पाल सिंह, चौधरी चरण सिंह पीजी कॉलेज हैंबरा के प्राचार्य डॉ शैलेंद्र कुमार शर्मा , डॉ भूपेंद्र त्रिपाठी ,डॉ उमाकांत मिश्र आदि सहित अधिष्ठाता विज्ञान संकाय डॉ नलिनी शुक्ला, संगोष्ठी सह संयोजक डॉ. एम पी सिंह, डॉ संजीव कुमार, सह सचिव डॉ संजय विश्वकर्मा, डॉ महेश प्रसाद यादव, डॉ प्रमोद कुमार राजपूत, डॉ देव नारायण सिंह, डॉ ललित गुप्ता, डॉ धर्मेंद्र कुमार, डॉ ज्योति भदोरिया, डॉ प्रकाश दुबे, डॉ दिव्य ज्योति मिश्र, वाणिज्य संकाय डीन डॉ योगेश शुक्ला, श्री ब्रह्मानंद डॉ .अभिषेक सिंह, डॉ नवीन अवस्थी, डॉ आनंद सिंह ,डॉ.संतोष सिंह चंदेल, कुलदीप अवस्थी, शिवमोहन अग्निहोत्री, पवन सक्सेना, देवेश चतुर्वेदी ,सुबोध शुक्ल आदि कॉलेज परिवार के समस्त प्राध्यापकों एवं शिक्षणेत्तर कर्मचारियों की उपस्थिति एवं विशेष सहयोग रहा।